

सच्चाना : 'सीगड़ी मछली सुखी क्यों नहीं' लोककथा का यह अंश पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर लिखें।

सीगड़ी बोली, "बूढ़ी अम्मा, बूढ़ी अम्मा, घास बढ़ गई है। मुझे धूप ही नहीं मिली तो मैं कैसे सूखूँ? मुझसे क्यों पूछती हो? घास से पूछो!"



**बूढ़ी अम्मा** : सीगड़ी, ओ सीगड़ी तम क्यों नहीं सखी?

**सीगड़ी : मैं कैसे सुखूँ?**

बुढ़ी अम्मा : .....

**सीगड़ी** : .....

**बुढ़ी अम्मा** : .....

**सीगड़ी** : .....

**सीगड़ी** : .....